'आ + ऐ = ऐ'

महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य, गंगा + ऐश्वर्य = गंगैश्वर्य

ऐ

ऐ

महा + ऐन्द्रजालिक = महैन्द्रजालिक, टिकैत = टिका + ऐत

ऐ

ऐ

यथैक्य = यथा + ऐक्य

ऐ

'अ + ओ – औ'

परम + ओजस्वी – परमौजस्वी, जल + ओक – जलौक

औ

औ

जल + ओघ – जलौघ, वनौकस – वन + ओकस

औ

औ

'अ + औ – औ'

परम + औषधि – परमौषधि, मिलन + औचित्य – मिलनौचित्य

औ औ

मंत्रौषधि – मंत्र + औषधि, प्रौद्योगिकी – प्र + औद्योगिकी

औ औ

देवौदार्य – देव + औदार्य, पूर्वौपनिवेशिक – पूर्व + औपनिवेशिक

औ औ

'आ + ओ - औ'

गंगा + ओक - गंगौक, महा + ओज - महौज

औ

औ

महौजस्वी - महा + ओजस्वी, यमुनौघ - यमुना + ओघ

औ

'आ + औ – औ'

महा + औषधि – महौषधि, महा + औदार्य – महौदार्य

औ

औ

मृदौषधि – मृदा + औषधि

वृथौदार्य – वृथा + औदार्य

औ

④ यण् स्वर संधि- 'इकोयणचि'

इक् + असमान अच् = यण्

↓

इ | ई | उ | ऊ | ऋ + असमान स्वर

य् , व् , र्

यदि इ | ई | उ | ऊ और ऋ के बाद कोई असमान स्वर आ जाए तो इ | ई का 'य्', उ | ऊ का 'व्' और ऋ का 'र्' हो जाता है-

'इ/ई + असमान स्वर'

य्

परि + आवरण , अभि + अर्थी

इ → पर्य् आवरण इ → अभ्य् अर्थी

य् → पर्यावरण य् → अभ्यर्थी

त्र्यंबक - त्रि + अंबक प्रत्यक्ष - प्रति + अक्षि

इ → त्र्य् अंबक इ → प्रत्य् अक्ष

य् → त्र्यंबक य् → प्रत्यक्ष

पर्यत्न – परि + अत्न , अत्यावश्यक – अति + आवश्यक

इ → पर् य् अत्न

य् → पर्यत्न

इ → अत् य् आवश्यक

य् → अत्यावश्यक

नद्यर्पण – नदी + अर्पण , वाण्यौचित्य – वाणी + औचित्य

ई → नद् य् अर्पण

य् → नद्यर्पण

ई → वाण् य् औचित्य

य् → वाण्यौचित्य